एक नजर में

विद्यार्थियों ने कक्षा 10 वीं की बोर्ड परीक्षा में अपनी सफलता का परचम लहराया

बिस्टान, नि प्र। ज्ञान कुंज इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने कक्षा 10 वीं की बोर्ड परीक्षा में अपनी सफलता का परचम लहराया है। स्कूल का कुल परीक्षा परिणाम 100% रहा। जिसमें स्कूल प्रशासन और अभिभावकों में खुशी की लहर है । छात्रा पूजा चौहान ने 93% अंकों के साथ स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त कर गौरव बढाया है। वहीं खुशी जैन बिस्टान ने 91 पॉइंट 6% अंकों के साथ द्वितीय स्थान और मिताली चौहान ने 88% अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया।स्कूल प्रबंधन और शिक्षकों ने इस उपलब्धि पर सभी विद्यार्थियों और उनके माता-पिता को हार्दिक बधाई दी है।सभी सफल छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की जा रही है ।

खुशी जैन बिस्टान

जीवन को संवारने और आध्यात्मिक विकास में है पुस्तकों की उपयोगी भूमिका

सनावद, निप्र। पार्श्व ज्योति मंच द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय पुस्तक दिवस पर गुरुवार को रात्रि 8 बजे हमारे जीवन की सच्ची साथी पुस्तकें विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें वक्ताओं ने श्रेष्ठ पुस्तकों की उपयोगिता बताई। मानव के बौद्धिक विकास में श्रेष्ठ पुस्तकों के अधिकाधिक अध्ययन पर जोर देते हुए मंच के अध्यक्ष डॉ. नरेन्द्र जैन भारती ने बताया कि मेरे जीवन को संवारने, व्यसनों से मुक्त रखने तथा आध्यात्मिक विकास में जैन धर्म और दर्शन के ग्रंथों की महनीय भूमिका रही है।जो भी नई पुस्तक मुझे मिलती है उसका मैं अध्ययन कर निष्कर्ष निकालता हूँ ।यही निष्कर्ष जीवन को नई दिशा देने का कार्य करते हैं।मेरे निजी संग्रह में लगभग 3000 से ज्यादा पुस्तकें संकलित हैं।शुभम जैन ने बताया कि अच्छी पुस्तकें हमारे जीवन में नैतिक मूल्यों की प्रतिष्ठापना तथा आचरण को शुद्ध रखने में सहायक बनती है। कमलेश भूच ने बताया कि जिसकी मानसिकता सकारात्मक होती है वही पुस्तकों के आश्रय से अच्छा बनता है। राजेन्द्र मंत्री ने बताया कि गुरु जनों के प्रेरणादायी कथानकों में पुस्तकें सहायक सिद्ध होती हैं। बसंत पंचोलिया ने सामाजिक जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढने में पुस्तकीय ज्ञान को उपयोगी बताया।विजय जैन ने बताया कि जहाँ पुस्तकों का संकलन होता है वहाँ शांति व मन को संतोष मिलता है ।सुरेश पण्डित, धीरेन्द्र बाकलीवाल, प्रियम जैन, आशीष जैन, राकेश जैन, सन्ध्या जैन, प्रिया जैन, वीनस जैन मौजूद थे।

उमरखली समिति में मिट्टी परीक्षण अभियान का आयोजन

खरगोन, निप्र। जिले के उमरखली में सेवा सहकारी समिति के माध्यम से मिट्टी परीक्षण अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य किसानों को मृदा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा वैज्ञानिक खेती को प्रोत्साहित करना रहा, जिससे फसल उत्पादन में गुणात्मक एवं मात्रात्मक सुधार हो सके। कार्यक्रम के अंतर्गत आगामी 10 से 15 दिवसों में विभिन्न समितियों से लगभग 300 मिट्टी के नमूने एकत्रित किए जाएंगे।इन नमूनों की इफको के माध्यम से नि:शुल्क जाँच कराई जाएगी तथा जाँच उपरांत किसानों को मिट्टी परीक्षण रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे वे फसल के अनुसार उर्वरकों का संतुलित उपयोग कर सकें।कार्यक्रम के दौरान इफको के क्षेत्र अधिकारी द्वारा किसानों को मिट्टी के नमूने लेने की सही एवं वैज्ञानिक विधि की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।उन्होंने बताया कि सही तरीके से लिया गया नमूना ही मिट्टी की वास्तविक स्थिति को दर्शाता है, जिससे उर्वरकों का संतुलित उपयोग संभव होता है और फसल उत्पादन में वृद्धि होती है।इस अवसर पर किसानों को आवश्यक सावधानियों से भी अवगत कराया गया, जिनमें खाद या उर्वरक डालने के तुरंत बाद नमूना न लेने, अत्यधिक गीली या बहुत सूखी मिट्टी से बचने तथा नमूना लेने के लिए साफ उपकरण का उपयोग करने पर विशेष जोर दिया गया।कार्यक्रम में समिति के कर्मचारी, एसएफए श्री हृषभ गुप्ता एवं एमडीई श्री अंकित यादव सहित ग्राम के किसान उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में किसानों को नियमित रूप से मिट्टी परीक्षण कराने, वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाने तथा मृदा स्वास्थ्य के संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया।.

28 को रावेरखेड़ी में होगा बाजीराव पेशवा पुण्यतिथि स्मरण, पद्म श्री, कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त मोहन नागर होंगे मुख्य वक्ता

खरगोन, निप्र। अपराजेय योद्धा बाजीराव पेशवा प्रथम के समाधि स्थल खरगोन जिले के रावेरखेड़ी में 28 अप्रैल को 286वीं पुण्यतिथि स्मरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। गोरिल्ला युद्ध में माहिर, लगातार 45 युद्ध जीतने वाले महान पराक्रमी शासक श्रीमंत पेशवे के पुण्य स्मरण अवसर पर श्रीमंत बाजीराव पेशवे (पेशवे) स्मृति प्रतिष्ठान के तत्वाधान में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में बतौर वक्ता पद्म श्री मोहन नागर उपाध्यक्ष जन अभियान परिषद मप्र शासन कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त शामिल होंगे।अध्यक्षता अभा महिला मराठा महासंघ की राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वाति युवराज काशिद करेंगी। विशेष अतिथि गौमुख धाम अन्न क्षेत्र टोकसर व्यवस्थापक जगदीश मोराण्या रहेंगे। आयोजन समिति अध्यक्ष लक्ष्मण राव इंगले ने बताया भारत के इतिहास में बाजीराव प्रथम का स्थान 1740 और 1720 की राजनीतिक स्थिति की तुलना करने पर स्पष्ट रूप से और जीवंतता से प्रकट होता है। उनके सक्रिय कार्यकाल के इन बीस वर्षों में मराठा राष्ट्र के स्वरूप में पूर्ण क्रांति आई और पूरे भारत में राजनीतिक सत्ता का पुनर्वितरण हुआ। कोई भी इतिहासकार इस तथ्य से इनकार नहीं कर सकता कि ये दोनों परिवर्तन बाजी राव के सचेत प्रयासों का परिणाम थे।ऐसे महान योद्धा और पराक्रमी के इतिहास से नई पीढ़ी प्रेरणा लेकर देश और राष्ट्रहित में आगे आए,

इतिहास को जाने इसी भाव को लेकर प्रति वर्ष प्रतिष्ठान श्रीमंत पेशवे की पुण्यतिथि पर वृहद कार्यक्रम का आयोजन करती है।इस वर्ष भी व्यापक स्तर पर यह कार्यक्रम होगा। प्रतिष्ठान संरक्षक श्रीपाद अवधुत स्वामी, उपाध्यक्ष मनोज बिरला, सचिव देवीसिंह बघेल, सह-सचिव नागेंद्र मुछाला, कोषाध्यक्ष विवेक भटोरे, प्रचार- प्रमुख कुणाल सोनी एवं वरिष्ठ सदस्य परसराम चौहान ने सनातनियों एवं राष्ट्र भक्तों से श्रीमंत के पुण्य स्मरण कार्यक्रम में शामिल होकर इस राष्ट्रभक्त की शौर्य गाथा को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की है। पेशवा के रूप में बाजी राव के योगदान को पढ़ना और समझना अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि उन्होंने एक छोटे से राज्य को एक विशाल साम्राज्य में तब्दील कर दिया, जो समय की कसौटी पर खरा उतरा। कई इतिहासकार अठारहवीं शताब्दी के पूर्वार्ध को बाजी राव का युग कहते हैं, और यह कहना बिलकुल उचित है।

पंचायती राज व्यवस्था को सशक्त बनाने का आह्वान

राष्ट्रीय पंचायत दिवस पर जिला पंचायत सभागार में कार्यक्रम का आयोजन

नवभारत न्यूज

खरगोन, निप्र। राष्ट्रीय पंचायत दिवस के अवसर पर जिला पंचायत खरगोन के सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मिलिंद कुमार नागदेवे ने अपने संबोधन में कहा कि 73वां संविधान संशोधन अधिनियम वर्ष 1992 में पारित हुआ और 24 अप्रैल 1993 से लागू किया गया। इसी ऐतिहासिक निर्णय के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायत दिवस मनाया जाता है।उन्होंने कहा कि इस अधिनियम ने पंचायत राज व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा देकर ग्रामीण लोकतंत्र को मजबूत किया है। साथ ही पंचायतों में नवाचार,

पारदर्शिता एवं जनसह भागिता को बढ़ावा देने पर बल देते हुए बेहतर कार्य करने वाले पंचायत प्रतिनिधियों की सराहना की। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री बापू सिंह परिहार ने अपने संबोधन में कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना पंचायतों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। एडिशनल सीईओ श्री राजेश कुमार शाक्य ने जानकारी दी कि देश में लगभग 2.6 लाख से अधिक ग्राम पंचायतें कार्यरत हैं, जिनमें 30 लाख से अधिक निर्वाचित जनप्रतिनिधि कार्य कर रहे हैं। इनमें लगभग 14 लाख महिलाएँ शामिल हैं, जो महिला सशक्तिकरण का सशक्त उदाहरण है। जिला पंचायत अध्यक्ष अनुबाई तंवर ने अपने संबोधन में कहा कि पंचायतें लोकतंत्र की मजबूत नींव हैं और ग्रामीण विकास की असली शक्ति गांवों में ही निहित है। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से जनहित में पारदर्शी एवं जिम्मेदार कार्य करने का आह्वान किया।

जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यों में कसरावद विकासखण्ड द्वारा प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर जनपद सीईओ श्रीमती रीना किराड़ को मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही युवा सलाहकार सावन पाटीदार, प्रबंधक वैभव दुबे एवं कंप्यूटर ऑपरेटर श्री मज़हर खान को भी प्रशस्ति पत्र दिए गए। नल-जल कर वसूली में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 10 ग्राम पंचायतों की एनआरएलएम स्व-सहायता समूह की दीदियों एवं सरपंचों को सम्मानित किया गया।

मनरेगा कार्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 05 ग्राम पंचायतों तथा ई-केवाईसी में शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण करने पर झिरन्या विकासखण्ड की डेहरिया एवं रुंदा पंचायत को भी सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री महेंद्र तंवर, जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन निरज अमझरे ने किया तथा आभार प्रदर्शन रमाकांत पाटीदार द्वारा किया गया।

नृसिंह प्राकट्योत्सव की तैयारियां प्रारंभ

महेश्वर, निप्र। पुण्य सलिला मां नर्मदा के पावन तट पर बने अतिप्राचीन नृसिंह मंदिर पर भगवान के प्रकाट्योत्सव की तैयारी जोरों से चल रही है। नृसिंह जयंती के तहत तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान होगें। 28 अप्रैल मंगलवार से प्रारंभ होने वाले धार्मिक अनुष्ठान में उज्जैन के पंडित जुगल किशोर पण्डया यज्ञाचार्य होंगे। लक्ष्मीनारायण यज्ञ में वेद मंत्रों के साथ श्री सूक्त पुरुसुक्त के मित्रों के साथ आहुतियां डाली जाएगी। मंडन मिश्र सेवा संस्थान के अध्यक्ष व नर्मदा संस्कृत पाठशाला के प्राचार्य पंडित दिलीप सोहनी ने बताया कि भगवान विष्णु के अवतार भक्त वात्सल्य भगवान नृसिंह का प्रकाट्योत्सव 30 अप्रैल को संध्या काल में अंगिरा ऋषि की तपोभूमि नर्मदा तट पर बड़ी ही आस्था के साथ मनाया जाएगा।सोहनी ने आगे बताया कि मां नर्मदा संस्कृत पाठशाला का यह यह 21 वां वार्षिकोत्सव है। सनातन संस्कृति के अनुरूप हम पाठशाला का वार्षिक

उत्सव प्रतिवर्ष इसी तरह मानते हैं, जिसमें धार्मिक अनुष्ठान होते हैं। पंडित सोहनी ने बताया कि मां नर्मदा संस्कृत पाठशाला के वार्षिक उत्सव के तहत तीन दिवसी लक्ष्मीनारायण यज्ञ वैशाख शुक्ल द्वादशी 28 अप्रैल मंगलवार प्रारंभ होगा। प्रथम दिवस वेद पाठ, जल यात्रा ,पंचांग कर्म,मंडप प्रवेश ,मंडल पूजन ,अग्नि स्थापना के साथ लक्ष्मी नारायण यज्ञ प्रारंभ होगा । सायंकाल भगवान बिल्वामृतेश्वर महादेव का रुद्राभिषेक किया जाएगा । द्वितीय दिवस 29 अप्रैल बुधवार को नित्य पूजन के साथ पूरे दिन स्वाहाकार होगा और सायंकाल में पूण्य सलिल मां नर्मदा का पूजन व दीपदान किया जाएगा ।अंतिम दिवस 30 अप्रैल को भक्त वात्सल्य भगवान नृसिंह का महा अभिषेक सुबह 10:00 बजे किया जाएगा ।नित्य पूजन के साथ श्रीशुक्त, पुरुशुक्त के मंत्रों से स्वाहाकार पूरे दिन होगा। इसी के साथ शाम 5:00 बजे तीन दिवसीय लक्ष्मी नारायण यज्ञ की पूर्णाहुति होगी एवं संध्या के समय भगवान विष्णु के अवतार भक्त वत्सल भगवान नृसिंह का प्राकट्योत्सव पर महाआरती कर जन्मोत्सव आस्था उमंग और श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। मंडन मिश्र सेवा संस्थान के सचिव सुरेश अग्रवाल ने सभी धर्म प्रेमी जनता से अपील की है कि इस तीन दिवसीय अनुष्ठान के साक्षी बन व भगवान नृसिंह के नयनाभिराम श्रृंगार के दर्शन कर धर्म लाभ अर्जित करें ।

प्रेरणा व लक्ष्य निर्धारण कार्यक्रम का आयोजन

खरगोन, निप्र। शैक्षणिक संस्थान में प्रेरणा व लक्ष्य निर्धारण कार्यक्रम के साथ-साथ बौद्धिक संपदा दिवस एवं पंचायती राज दिवस का संयुक्त आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. आरके यादव ने की। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि बौद्धिक संपदा का तात्पर्य हमारे मस्तिष्क से उत्पन्न विचारों, आविष्कारों एवं रचनाओं से है, जैसे किताबें, गीत, डिजाइन और नए आविष्कार। इनकी सुरक्षा अत्यंत आवश्यक है, ताकि हमारी मेहनत और रचनात्मकता का दुरुपयोग न हो सके। कार्यक्रम की संचालक छाया पटेल ने बताया कि बौद्धिक संपदा दिवस प्रतिवर्ष 26 अप्रैल को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य रचनात्मकता और नवाचार को प्रोत्साहित करना तथा पेटेंट, कॉपीराइट और ट्रेडमार्क के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने नवाचारों को सुरक्षित रखने की अपील की। पंचायती राज दिवस के अंतर्गत प्रो. प्रीति हाडा ने कहा कि यह दिवस 24

अप्रैल को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण विकास को गति देना, पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाना और विकसित भारत के संकल्प को मजबूत करना है। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. मोनिका चौहान ने कहा कि पंचायती राज व्यवस्था हमारे देश के ग्रामीण लोकतंत्र की नींव है, जो गांव के लोगों को अपने विकास से जुड़े निर्णय स्वयं लेने का अधिकार देती है। मानसिक स्वास्थ्य विषय के अंतर्गत आयोजित प्रेरणा व लक्ष्य निर्धारण सत्र में क्रीड़ा अधिकारी श्रीमती दिव्या व्यास ने कहा कि प्रेरणा और लक्ष्य निर्धारण सफलता के दो प्रमुख स्तंभ हैं। प्रेरणा लक्ष्य की ओर बढ़ने की आंतरिक शक्ति है, जबकि लक्ष्य निर्धारण मंजिल को स्पष्ट करने की प्रक्रिया है।प्रो. उमा मंडलोई ने कहा कि लक्ष्य निर्धारण का अर्थ है—लक्ष्य प्राप्ति के लिए विचार, भावना और व्यवस्था को पूर्ण रूप से समर्पित करना। प्रो. बसंती मुजाल्दे ने अपने संबोधन में कहा कि लक्ष्य निर्धारण सिद्धांत यह दर्शाता है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हों, तो परिणाम निश्चित रूप से प्राप्त होते हैं।

मंत्रोच्चार के साथ धारण की जनेऊ, ऐतिहासिक आयोजन के हजारों समाजजन बने साक्षी

कसरावद, निप्र। शुक्रवार को नगर का जय गजानंद मांगलिक परिसर वैदिक मंत्रों के उदघोष से गुजायमान रहा, अवसर था नार्मदीय ब्राह्मण समाज के 51 बटुकों के यज्ञोपवीत संस्कार का।इस ऐतिहासिक आयोजन के साक्षी हजारों सामाजजन बने। नार्मदीय ब्राह्मण समाज कसरावद इकाई के तत्वावधान में आयोजित नि:शुल्क यज्ञोपवीत संस्कार कार्यक्रम की शुरुआत शुक्रवार को सुबह 6 बजे से हुईं। सर्वप्रथम भगवान श्री गणेश पूजन किया गया।इसके पश्चात मंडप के साथ बटुकों का मुंडन कराया गया। मुंडन के बाद ब्राह्मण परिवेश धारण करवाकर मंगला अष्टक का पाठ कराया। काशी पठन की शोभायात्रा निकाली गईं एवं बटुकों को आराध्य देवी मां गायत्री की तस्वीर भेट की। इसके पश्चात वैदिक मंत्रों के साथ यज्ञोपवीत धारण कराया। यज्ञोपवीत संस्कार मां नर्मदा संस्कृत पाठशाला महेश्वर के दिलीप सोहनी एवं भगवताचार्य देवेंद्र शास्त्री के आचार्यवत में सम्पन्न हुआ।आयोजन में बटुकों एवं समाजजनों को आशीर्वाद देने हेतु बमनाला गुरु गादी के महंत, गुलाबड सरकार, प संकल्प चौकड़े एवं सत्यधाम आश्रम से प गोरेलाल शर्मा पधारे।नार्मदीय ब्राह्मण समाज कसरावद इकाई के अध्यक्ष मनोज जोशी ने कहा कि सामाजिक चेतना ओर ब्रहमत्व की ओर आने वाली पीढ़ी में नवसर्जन के साथ आत्मबल प्रबल ओर हमारी मान्यताये परम्पराओ का निर्वहन सदैव होता रहे हमारे संस्कार में यज्ञोपवीत संस्कार का समय से होना नितांत आवश्यक है इसी उद्देश्य के निम्मित नार्मदीय ब्राह्मण समाज कसरावद इकाई द्वारा कसरावद क्षेत्र में पहला नि:शुल्क यज्ञोपवीत संस्कार कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमें 51 बटुकों को यज्ञोपवीत धारण की।आयोजन में सभी समाजजनों ने तन मन धन से सहयोग किया। आयोजन में हजारों समाजजन शामिल हुए।

डिस्पिजल मुक्त रहा आयोजन

यज्ञोपवीत संस्कार आयोजन में संस्कार के साथ पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया। पूरे आयोजन में प्लास्टिक डिस्पोजल का प्रयोग नहीं किया गया। पलाश के पत्तों की पत्तलों में भोजन एवं पीने के पानी के लिए तांबे के लोटो का प्रयोग किया। इस पहल को सभी ने सराहा। आयोजन में समाज के वरिष्ठ अरूण सोहनी, डॉ वाय के शर्मा, श्रीहरि शर्मा, डॉ कैलाश जोशी, हरिनारायण शुक्ला, ओपी तारे, रामकृष्ण डोंगरे सहित इकाई अध्यक्ष मनोज जोशी, सचिव राजेश शर्मा, महिला इकाई अध्यक्ष माया सुभाष शर्मा, सचिव पूर्णमा राहुल बारचे, अंकिता शुक्ला, नेहा बारचे, आयूषी बड़ोले,आरती जोशी,सिमा शुक्ला,बरखा गांवशिन्दे,कविता शुक्ला, ज्योति शर्मा,कल्याणी शर्मा सिमा जोशी, संगीत शर्मा गोरी शर्मा वंदना गांवशिन्दे, योगिता सोहनी, उर्वशी शर्मा, सोनाली जोशी युवा अध्यक्ष विवेक गावशिंदे, सचिव सौरभ शर्मा, दीप्ति शर्मा, मनीष शुक्ला, जितेन्द्र शर्मा, अभिषेक अत्रे, अभिषेक शर्मा, राहुल बारचे, सहित समाजजनों ने सहयोग किया।

निमाड़ के संत सिंगाजी का गुणगान, शिव गुप्ता का एल्बम सोशल मीडिया पर श्रोताओं को भाया

कसरावद, निप्र। निमाड़ के महान निर्गुणी संत सिंगाजी की जन्म जयंती को लेकर निमाड़ के प्रसिद्ध लोक गायक एवं गीतकार शिव गुप्ता सेल्दा ने अपनी आवाज में सिंगाजी के जीवन और महिमा पर आधारित एक भक्ति वीडियो एल्बम लॉन्च किया है। इस एल्बम को सोशल साइट्स पर अपलोड किया गया है, जिसमें निमाड़ी में संत सिंगाजी का गुणगान किया गया है। इसमे उन्होंने गाया कि 'ध्वजा धवलई म सिंगाजी पुजाई रयो रे, बाबा भीमा जी का लाल नाम कमाई गयो रे...' श्रोताओं को खूब पंसद आ रहा हैं।निमाड़ी भक्ति गीत में संत सिंगाजी के जीवन, उनकी साधना और गुरु मनरंगीर से प्राप्त निर्गुण ज्ञान का सुंदर वर्णन किया गया है। साथ ही ओंकारेश्वर (गौमुख) से जुड़े आध्यात्मिक अनुभवों का भी इसमें उल्लेख है। यह भक्ति गीत सोशल मीडिया पर तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, और अब तक इसे एक हजार से अधिक बार देखा जा चुका है।क्षेत्र के श्रद्धालु और संगीत प्रेमी इस प्रयास की सराहना कर रहे हैं।

एक नजर में — प्रदेश सरकार के ऐतिहासिक फैसले से किसानों के जीवन में आएगी आर्थिक खुशहाली : जिलाध्यक्ष ब्राह्मणे

विकास की नई राह और किसानों की समृद्धि के द्वार खोलेगा सीएम का यह फैसला : महामंत्री

नवभारत न्यूज

खरगोन, निप्र। प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के भुमि अधिग्रहण मुआवजा राशि चार गुना किए जाने की घोषणा के बाद प्रदेशभर में इस फैसले का स्वागत किया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर भी शुक्रवार को इस किसान हितैषी फैसले का स्वागत करते हुए भारतीय किसान मोर्चा के तत्वाधान में आभार एवं स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश महामंत्री मनोज लधवे के नेतत्व में आतिशबाजी कर कार्यकर्ताओं के बीच मिठाई वितरित

की गई। इस दौरान जिलाध्यक्ष श्रीमती नंदा ब्राह्मणे, भाजपा किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष महेश गुर्जर, जिला पंचायत उपाध्यक्ष बापू सिंह परिहार, जिला उपाध्यक्ष शंभूसिंह मनहर, जिला उपाध्यक्ष शालिनी रतोरिया, जिला महामंत्री विवेक भटोरे, जिला महामंत्री प्रकाश पाटीदार, जिला मंत्री हरेसिंह चावड़ा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता-पदाधिकारी उपस्थित थे। आभार बैठक में प्रदेश महामंत्री श्री लधवे ने कहा केंद्र की नरेंद्र मोदी और प्रदेश में डॉ. यादव सरकार लगातार किसान हितैषी योजनाएं लागू कर रही है। प्रदेश सरकार ने इस वर्ष को किसान कल्याण वर्ष के रुप में मनाने की घोषणा की है। इसी के तहत भूमि अधिग्रहण योजना में 4 गुना मुआवजा देने की सौगात दी है।पहले किसानों को अपनी पुश्तैनी जमीन देने में आर्थिक नुकसान महसूस होता था. इससे सिंचाई परियोजनाओं, सड़कों, रेल लाइनों और बांधों जैसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के निर्माण में देरी होती थी। अब चार गुना मुआवजा मिलने से किसान भी अब स्वेच्छा से विकास कार्यों के लिए जमीन देने को आगे आएंगे, जिससे परियोजनाओं की गति बढ़ेगी और किसानों के जीवन में समृद्धि आएगी। जिलाध्यक्ष श्रीमती ब्राह्मणे ने कहा कि राज्य सरकार ने किसानों के हित में बड़ा फैसला लिया है। प्रदेश सरकार के ऐतिहासिक फैसले से किसानों के जीवन में आर्थिक खुशहाली आएगी। इसके लिए किसान और किसान संगठन लगातार मांग करते रहे थें। अब किसी भी सरकारी निर्माण कार्य या सार्वजनिक कार्य के लिए ग्रामीण क्षेत्र में जमीन अधिग्रहित की जाती है तो किसान अथवा ग्रामीण को इसके एवज में जो मुआवजा अब तक मिलता रहा है वह चार गुना होगा। भाजपा किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष श्री गुर्जर ने कहा कि यह निर्णय किसानों के सम्मान और उनकी समृद्धि के लिए लिया गया है। इससे पहले किसानों को केवल दोगुना मुआवजा मिलता था। इस फैसले से लंबित परियोजनाएं तेज होंगी और किसानों को उनकी जमीन का सही मूल्य मिलेगा। बैठक को पूर्व विधायक बाबूलाल महाजन, जिला उपाध्यक्ष श्री मनहर, महामंत्री श्री भटोरे ने भी संबोधित किया। इस दौरान जिपं उपाध्यक्ष श्री परिहार, पिछड़ा वर्ग मोर्चा पदाधिकारी संतोष पाटीदार, जिला महामंत्री श्री पाटीदार आदि मंचासीन रहे। संचालन सुगमचंद जाट ने किया आभार भगवान पटल्या ने माना।